066

MAHD-01

December - Examination 2017

MA (Previous) Hindi Examination

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Paper - MAHD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब, स में विभाजित है। प्रश्नों के उत्तर खण्ड में दिये गये निर्देशानुसार दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) रासो किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ii) ''अंखियाँ हरि दर्शन को भूँखी'' किस कवि की पंक्ति है?

(iii) रीतिमुक्त कविता की किन्हीं दो विशेषताओं को निरूपित कीजिए।

(iv) भारत का लोकनायकत्व किस कवि में दिखलाई पड़ता है?

(v) कवि विहारी का किस राजदरबार से सम्बन्ध था?

(vi) 'गंगालहरी' के कवि का नाम लिखिए।

(vii) 'अति सुधो सनेह को मारग है' किस कवि की पंक्ति है?

(viii) मीरा की भक्ति किस प्रकार की है? लिखिए।

(खण्ड – ब) **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

समुद्र रूप गोरी सुबर। पंग ग्रेह भय कीन।।
चाहुआन तिन बिबध कै। सो ओपम कवि लीन।।
भिरन पुच्छि बट सुरंग। बंधि चतुरंगि रजथ्थ।।
समर सु मुक्कलि सोर। लोह फुल्यो जस कुमद।।
रा चावंड जैतसी। रा बड़ गुज्जर समुद।।

3) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।
हस्ती चढ़िये ज्ञान की, सहज दुलीचा डारि।
स्वान रूप संसार है, भूँकन दै झँक मारि।।

4) निम्नलिखत पद्यांश की व्याख्या कीजिए –

अब लौं नसानी अब न नसैहौं।
रामकृपा भव निसा सिरानी जागे फिर न डसैहौं ।1।

पायेउ नाम चाह चिंतामनि डर करते न खसैहौं
स्याम रूप रुचि रुचिर कसौटी चित कंचनहिं कसैहौं ।2।
परबस जानि हाँस्यौ इन इंद्रिन निज बस है न हँसैहौं।
मन मधुकर पनकै तुलसी रघुपति पद कमल बसैहौं ।3।

5) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

मेरी भव बाधा हरो।
राधा नागरि सोइ।।
जा तन की झांई पड़ै, स्याम हरित दुति होइ।।
अधर धरत हरि कै परत ओठ दीठि पर जोति।
हरित बांस की बासुरी, इन्द्र धनुष रंग होति।

6) निर्गुण भक्ति की पाँच विशेषताओं को निरूपित कीजिए।

7) मीराबाई की भक्ति पर टिप्पणी कीजिए।

8) ''भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना कूट–कूट कर भरी है'' स्पष्ट कीजिए।

9) सूरदास वर्णित उद्धव–गोपी संवाद पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) गीति परम्परा में विद्यापति का स्थान अप्रतिम है। इनके यहाँ आध्यात्म व साधारण जन की मनःस्थिति व आकांक्षा को एक साथ स्पर्श किया गया है। स्पष्ट कीजिए।

11) सूरदास की भक्ति पर एक सार गर्भित लेख लिखिए।

12) भारत का लोकनायकत्व वही ग्रहण कर सकता है जिसमें समन्वय की विराट चेष्टा हो।'' इस आधार पर तुलसी के समन्वयवाद पर प्रकाश डालिए।

13) रीतिमुक्त परम्परा को स्पष्ट करते हुए घनानंद की कविताओं में व्यक्त आत्मानुभूति व प्रेम के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।